

क धारा 34 (1) (2) और (3) के साथ पठित धारा 33 -रा द. शि0य1 का योग करते 2ए, , , , शासी बोर्ड के अनुमोदन से सीनेट, , , भारतीय सूचना िौगक संथान, , , , िीसटीच.ूर के िनःिलिखत अ<यादेश बनाती है।

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18.

1 2017-18को अथवा उससे पहले वेश लेने वालेबैच के िलए उनम िनधारत शैक िविनयम का पालन किया जाएगा ।भारतीय सूचना िौगक सं थानिीसटी,िचL तूर शै@क कैलAडरवेशउपि थित आचार और अनुशासन काय Cम मAप+रवत नपाDCम संरचना पंजीकरण काय Cम क अविधसं थान से अ थायी ि नकासी अकादिमक परीव@ा एवं ि नलंबनठेणीकरण नीतपाDCम1 को दोहरानानF पादन का मू यांकन परी@ाएंमेक-अप-परी@ाएंठेणी रोकना पाDCम छोड़ने के मापदंडबी.टेक िडJी दान कए जाने क पाKता

(अ).—भारतीय सूचना िौगक संथान (साव जिनकन्निजी भागीदारी) अधिनयम, , , , 2017 (2017 का 23), , , , नई द ली, 23 अ

तूबर, 2019

बी.टेक काय

म अ यादेश19म वेश लेने वाले बैच के िलए

अधिसूचना

209 209 210 211 211 212 212 213 213 213 214 215 217 219 219 219 219 219

¹Hkkx IIμ[k.M 3(ii)° Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 209

1.अभिशासित ह1गे।2. 3.कए जाने का पाK होगा । 4.क.ख. 1. शैक कैलडर1.1छमाही: एक मानसून छमाही और बसंत छमाही के दो सेमे टर1 मA बंटा होता है । 1.2 1.3गतिविधय1 क तारीख को शामिलकरते 2ए सK के िलए शै@क गतिविधय1 क अनुसूची अनुमोदत क िजसे सK के िलए शै@क कैलAडरमA िनधा +रत किया जाएगा । 2.1 संख् या का िनण य भा.सू.ौ.स. िीसटी िचL तूर क सीनेट -रा िलया जाएगा। सीटा समय-समय पर भारत सरकार के िनण य1 के अनुसार अZ य िपछड़े वग, अनुसूचित जातय1, अनुसूचित जनजातय1, शारी+रक\प से िनःश

त अ\ य^थय1 और आ^थक \प से िपछड़े वग\ से संबंधित अ\ य^थय1 के िलए आरि@त होती ह_ । 2.2 L येक वष मA बी.टेक काय Cम मA वेश भारत सरकार के आदेश1 के अनुसार होगा। वत मान मA वेश संबंधित वष के िलए सीएसएबी -रा संचालत एक काउंस'लग के मा< यम से संयु

त वेश परी@ा (जेईई) मेन और कAaीय मा< यिमक िश@ा बोर्ड (सीबीएसई) के अनुसार एचएससी परी@ा मA दश न पर आधा+रत होते ह_ । 2.3 सं थान के कसी काय Cम मA अनितम \प से अथवा अZ यथा वेश ाV त करने वाला L येक छाK अह क िडJी/अनंितम माण पK तथा सीनेट -रा यथा िनधा +रत अZ य द तावेज1 क ितयां तुत करेगा। ये द तावेज िनधा +रत तारीख से पहले तुत कये जाने अनिवाय ह1गे। िनधा +रत तारीख तक द तावेज1 को तुत न करने वाले अथवा वेश क कसी पाKता को पूरा नह6 करने वाले छाK के वेश, को सीनेट -रा िनर त किया जा सकता है । 2.4 यद यह पाया जाता है क छाK ने कोई गलत सूचना दी है अथवा वेश लेने के समय कसी संगत सूचना को िछपाया हैतो कसी छाK के वेश को सीनेट -रा बाद के कसी समय मA भी िनर त किया जा सकता है । 2.5 आधार पर उसके कैरियर के कसी भी चरण मA अ< ययन समाV त करने के िलए कहने का अधिकार आरि@त रखता है । 2 2017-18को अथवा उससे पहले वेश लेने वाले बैच के िलए उनम िनधारत शैक िविनयम का पालन किया जाएगा ।2. वेशसं थान -रा दान कए जाने वाले सभी िौगक नातक (बी.टेक) काय Cम इन बी.टेक अ< यादेश1 -रा इन अ< यादेश1 के अंतग त भिवF य मA कसी नएिवषय/काय Cम को शामिल किया जा सकता है । कोई भी छाK इन अ< यादेश1 -रा यथा िनधा +रत शै@क आवR यकताS को पूरा करने के पR चात बी.टेक िडJी दान सं थान मA िनT निलिखत बी.टेक काय Cम ह1गे: कंV यूटर िवWान और अभयांिकक (सीएसई) : (4 वष /8 छमाही) इलै

Mिँन

स एवं संचार अभयांिकक (ईसीई) : (4 वष /8 छमाही) L येक शै@क कैलAडरलगभग सKह सV ताह क अविध (L येक छमाही मA Z यूनतम आठ काय घंटो क क@ास) के दो इसके अित+र

त बसंत और मानसून सेमे टर1 के बीच JीF म अवकाश हो सकता है । सीनेट ने पंजीकरण क तारीख, म<य -छमाही और अंितम छमाही क परी@ास, अंतर-छमाही अवकाश तथा अZ य

भा.सू.ौ.स. ठीसटी, िचL तूर mA अवर नातक। क L येक शाखा िजसके िलए वेश िलया जाना है, mA सीट। क सं थान कसी भी छाK के वेश को िनरत करने और उसे असंतोषजनक शै@क दश न अथवा अनुशासनाL मक (संसद के अधिनयम के अंतग त राF Mीय महL व का एक सं थान) भारतीय सूचना िौगक सं थान ठीसटी, िच.ूरबी.टेक काय म अ यादेश।9म वेश लेने वाले बैच के िलए

3.1 अपि@त होता है िजनके िलए उZ हA पंजीकृत कया गया-हो-+(ख) छाK। को सभी क@ास mA भाग लेना होगा। तथिप, कसी ऑंिशक बाेय सम या अथवा इस कार क कसी सम या. उपि! थित(क) छाK। -ारा उन सभी क@ास (ले चर, ूटो+रयल, योमशाखाएं, ि टकल, काय शाखाएं इL याद) mA भाग लेना

| | | | | |
|---|--|--|---------|---------|
| जस कसी मामल म छाक अधिकतम 15 ितशत कअनप थित दिहल क जाएगी। यद यह माना जाए कएटीटी $\geq 85\%$ | | @ास म अनपि थत रह सकता ह, इस 15 ितशत क पार छाक कसी पाDCम म अनपि थत एटीटी% ह, तो | | त छाक क |
| | | 70% $\leq$ एटीटी $< 85\%$ अजत 8णी | दलत 8णी | |
| | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| अजत 8णीओ ए बी सी दलत 8णीओ ए बी सी | | सी डी | | |

• के मानदंड। के अनुसार सहायक िचकL सा द तावेज। को तुत करने के पR चात डानउठेणीकरण से छूट दी जा सकती है। िचकL सा कारण। से छूट का दावा करने के पR चात भी यद छाK क उपि थित 85 ितशत से कम रहती है तो उसके ठेणी mA उपरो

तानुसार एक ठेणी ककमी क जाएगी। कसी पाDCम mA 70 ितशत से कम उपि थित वाले छाK को एफ ठेणी कसी उपयु त और िसh कारण जैसे क िचकL सा संबंधी कारण के िलए मामला दर मामला आधार पर छाK क अनुपि थित सकते ह_ बशतn क वे उस िवषय mA अधिकतम ‘पी’ ाV त करने के पाK ह।। यद छाK इन L येक िवषय। के िनयिमत पाDCम। डी पी एफ िचकL सा कारण। से यद कोई छाK उपि थित क ठेणी 70 ितशत से 85 ितशत के बीच रहता है तो उसे सं थान

िनT निलिखत अवकाश इनmA से कसी खंड mA आ सकता है: छाK के छमाही के दौरान सं थान से दूर रहने क आशा नहb क जाती है।छाK को ऐसे अवसर। जैसे कप+रवार के कसी सद य क मूL यु के िलए अवकाश क अनुमित दी जा सकती है। तीन अथवा उससे अधिक दन के िलए लगातार अनुपि थत रहने वाले छाK को सहायक द तावेज।, यद कोई हो, के तीन सV ताह से कम क बीमारी के कारण उपयु त अनुमित ाV त करने के पR चात् अनुप थित क अनुमित दी जा यद कसी छमाही mA अनुपि थित तीन सV ताह से अधिक हो तो छाK को उसके -ारा पंजीकरण करवाये गए सभी छमाही 1 और 2 के िवषय। mA असफल छाK असफल िवषय। क कसी भी संm या के िलए फोमn+टव असेसमाट चुन डी पी एफ डी पी एफ पी पी एफ

‘Hkkx Iİµ[k.M 3(ii)° Hkkjr dk jkti=k % vİk/kj.k 211

mA भाग लेने के इo छुक ह। तो उZ हA तदंतर छमाही mA भाग लेना होगा। ऐसे मामल। mA छाK तदंतर छमाही mA वे पाDCम नहb

3.3 छाK -ारा अवकाश पर जाने से पहले अपनी अनुपि थित के संबंध mA छाKावास िजसmA वह रह रहा है, उसके वाड न और संबंधित अनुदेशक को सूिचत करने क िजT मेदारी छाK क होगी। 4.1 4.2 अनुशासन सिमित। शै@क अनुशासन सिमित छाK। से संबंधित शै@क कदाचार के मामल। mA गैर अनुशासन संबंधी मामले देखती है। छाKावास अनुशासन

सिमित छाK1 से संबंधित सभी गैर-शै@क गैर अनुशासन के मामले देखती है। 5. काय
म म प\$रवत

न5.1 अ< ययन जारी रखेगा। 5.2 पहले दो छमाही के पR चात् कसी एक शाखा से दूसरी शाखा मा प+रवत न करवाने क अनुमित दे सकता है। इन प+रवत न1 क अनुमित इनमा िनधा +रत ावधान1 के अनुसार दी जाएगी। . 5.3 अ< ययन के पहले दो सेमे टर1 मा थम यास मा ही अपि@त सभी समान Cिडट पूरे और उL तीण कए ह1। 5.4 अनुभाग L येक शै@क वष के दूसरे छमाही के अंत मा आवेदन आमंिकत कर सकता है और पूण पK अधिसूचना मा िनधा +रत अंितम तारीख तक ही तुत कए जाने चाहए । 5.5 है। आवेदन तुत कये जाने के पR चात् िवक प मा प+रवत न करने क अनुमित नहb दी जाएगी। 5.6 छमाही के अंत मा ाIV त सीजीपीए पर िवचार कया जाएगा। अंक बराबर होने क ि थित मा आवेदक1 के जेईई र_क पर िवचार 5.7 है क उस शाखा क छाK संm या मौजूदा संm या के दस ितशत से अधिक न हो जाए और उसे यह वीकृत संm या के दस 5.8 भावी ह1गे। इसके पR चात् शाखा/काय Cम मा कसी प+रवत न क अनुमित नहb दी जाएगी। 5.9 प+रि थित मा तिावत शाखा/काय Cम मा प+रवत न से मना करने क अनुमित नहb दी जाएगी। 4. आचरण और अनुशासन

कया जाएगा।

ाIV त करना होगा जो 4.0 से कम नहb होगा।

ितशत से अधिक नहb होना चाहए।

थम वष के अंत मा दूसरे वष के बी.टेक मा ोZ नत कए जाने के िलए छाK1 को Z यूनतम 50 ितशत सीजीपीए Cिडट आपवादक छाK1 को अ<य@ (शै@क)/िदेशक क पूव अनुमित से िवदेश मा कसी उोग अथवा िवर विवालय मा खंड 3.2 (क) से 3.2 (घ) के अनुसार अवकाश को उपि थित के िलए माफ नहb कया जाएगा।

छाK सं थान के भीतर और बाहर वयं को राF Mीय महL व के सं थान के छाK के \प मा आचरण करागे। छाK1 क अनुशासनाL मक गितिविधय1 के संचालन के िलए दो सिमितयां है शै@क अनुशासन सिमित और छाKावास

सामाZ यतः कसी िविशF ट अवर नातक िडJी काय Cम मा वेश लेने वाला छाK उ

त काय Cम को पूरा होने तक तथिप िवशेष मामल1 मा सं थान कAaीय सीट आबंटन बोड (सीएसएबी) के मा< यम से वेश लेने वाले कसी छाK को दूसरे छमाही के पR चात् शाखा/काय Cम मा प+रवत न के िलए केवल उन छाK1 को पाK माना जाएगा िजZ ह1ने अपने शाखा/काय Cम मा प+रवत न के िलए आवेदन पाK छाK -ारा िनधा +रत पK मा ही दया जाना चाहए। अकादिमक छाK व+रयता के Cम मा अपनी \िच क शाखा/काय Cम को सूचीबh कर सकता है िजसके िलए वह प+रवत न चाहता

आवेदक को इस सीमा के अधीन आवदेक क वरीयता के Cम मा शाखा/काय Cम मा प+रवत न क अनुमित दी जा सकती उपरो

त िनयम1 के अनुसरण मा शाखा/काय Cम मा कए गए सभी प+रवत न संबंधित आवेदक के तीसरे छमाही से शाखा/काय Cम मा सभी प+रवत न अंितम ह1गे और आवेदक के िलए बा< यकारी ह1गे। कसी भी छाK को कसी भी शाखा/काय Cम मा प+रवत न केवल आवेदक क यो। यता के अनुसार ही कया जाएगा। इस उरे य के िलए दूसरे

iiiv.

iiiii.

iiiii.

iii.

iii.

ii.

ii.

6. पा'म संरचना6.1 आधा+रत ह1गे: i. ii. iii. 6.2 Cिडट आवR यकता को पूरा करना अपि@त होगा। 6.3

6.4 कसी काय Cम के िलए कुल पाDCम पैकेज मा िनT निलिखत घटक शामिल ह1गे:

6.5 6.6 6.7 सामाजिक सलाह लेने के लिए अल्प (अकादमिक)/निदेशक एक छमाही में एक संकाय सलाहकार नियुक्त करेगा।

6.8 7. पंजीकरण 7.1 अलमानाक में अधिसूचित तारीख पर संप्रेषित किए गए संकाय सलाहकार के मासिक से अनुमोदित पाठ्यक्रम के लिए पंजीकरण करवाना अपेक्षित होता है। किसी नियम का उल्लंघन पाए जाने पर अथवा यदि अनुशासनात्मक कारणों से संबंध लगाया गया हो, तो एक अथवा अधिक पाठ्यक्रम का पंजीकरण निरस्त किया जा सकता है। 7.2 से नाम वापस ले लिया है और भविष्य में कार्यवाई छात्र के स्थित तथा इन अल्प यादेशों के आवधानों पर आधारित होगी। 7.3 क. ख. ग. किसी विशिष्ट आधार पर उसे पंजीकरण से वंचित नहीं किया गया हो। दिया हो। पाठ्यक्रम के विशेषण को चिह्नित में मासिक यथा दी जाएगी; पाठ्यक्रम के लिए चिह्नित निम्नलिखित सामाजिक पक्षों पर एक संश्लेषणावधि के लिए एक चिह्नित एक दो चूटोत्तरयल अविधि के लिए एक चिह्नित एक योगशाला अथवा चिह्नित

टकल सत्र के लिए एक तीन पीरियड हेतु एक चिह्नित संस्थान की बैठक डिजाई उल्लिखित करने के लिए छात्र को किसी विशिष्ट कार्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम में निम्नलिखित आधारित पाठ्यक्रम का आवरकताओं को मुक्त यथा: निम्नलिखित चार पाठ्यक्रम समूहों में बांटा जा सकता है: i. समान अभ्यासिक पाठ्यक्रम ii. विशिष्ट अभ्यासिक पाठ्यक्रम iii. मानविक, गणित और विज्ञान i. समान अभ्यासिक पाठ्यक्रम ii. कार्यक्रम को पाठ्यक्रम iii. कार्यक्रम इति

टव पाठ्यक्रम iv. संलग्न इति

टव पाठ्यक्रम (एचएमएस इति

टव सहित) अनुदेश, परीक्षा और रोजे

ट +रपोर्ट का मासिक अंश होगा। संकाय सलाहकार: छात्रों के अल्प ययन पाठ्यक्रम की योजना बनाने और अकादमिक कार्यक्रम के संबंध में

एक छात्र को एक छमाही के आरंभ होने पर पंजीकरण के लिए निम्नलिखित आधारित और शैक्षिक कैलेंडर (एकेडमिक

अंतिम तिथि तक पंजीकरण करवाने में असफल छात्रों के मामले में यह माना जाएगा कि उन्हें होने वाले कार्यक्रम के छमाही पिछले सेमेस्टर के सभी संस्थान, छात्रावास और पुस्तकालय की देनदारियों और दंड (यदि कोई हो) का भुगतान कर वतमान छमाही के लिए संस्थान और छात्रावास की सभी देनदारियों का अंतिम भुगतान कर दिया हो, और उक्त विशिष्ट वर्ष की शैक्षिक गतिविधियों समन्वय करने के लिए छमाही वार की समितियों अल्प ह।

केवल उन छात्रों को पंजीकरण करवाने की अनुमति दी जाएगी जिन्होंने

एक बी.टेक कार्यक्रम में सीनेट द्वारा अनुमोदित एक पाठ्यक्रम और पाठ्यक्रम हैं।

¹Hkkx IIµ[k.M 3(ii)° Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 213

उल्लिखित करने अपेक्षित हैं। अधिक नहीं होनी चाहिए। 7.5 छोड़ सकते हैं बशतः कि यह अकादमिक कैलेंडर (एकेडमिक अमानेक) में दी गई तारीख के भीतर किया गया हो और उपरोक्त

खंड 7.3 में दी गई शर्तों के अनुसार हो। 8. कार्य

म क) अविधि 8.1 छात्रों को कार्यक्रम अधिकतम 12 छमाही में पूरा करना होगा जिसमें से एक छमाही के लिए छात्र न्यूनतम एक पाठ्यक्रम के लिए पंजीकरण करवाएगा, इसमें लिया जाने वाला अधिकतम समय 6 वर्ष का होगा। यदि इनमें से किसी भी सीमा का अतिक्रमण किया जाता है तो कार्यक्रम में छात्र के छात्रावास को निरस्त कर दिया जाएगा। 9.1 आपदा के आधार पर एक छमाही अथवा अधिक की अविधि के लिए संस्थान से अस्थायी निकासी की अनुमति दी जाएगी, बशतः कि मासिक भाग लिया हो, जो भी बाद में हो, के भीतर समय की दतावेजों के साथ ऐसी निकासी के पूर्ण कारणों का उल्लेख करते हैं और अपने अभिभावकों सहित संलग्न न करते हैं संस्थान को आवेदन करता है; ख. सीमा के भीतर बी.टेक डिजाई की अपनी आवरकताओं को पूरा कर पायेगा; ग. 9.2 फस और छात्रावास देनदारी को छोड़कर) का भुगतान करना अपेक्षित होगा जब तक उसका नाम क्रमांक सूची में है। तथापि, फस जिसका एक बार भुगतान कर दिया गया हो, वापस नहीं की जाएगी। 9.3 सामाजिक यथा: किसी छात्र को अवर नाटक कार्यक्रम के छात्र के रूप में उसके कार्यकाल के दौरान ऐसे दो अस्थायी निकास की अनुमति दान की जा सकती है। 10. शैक्षिक निषेध और निलंबन 10.1 किसी छात्र को किसी कार्यक्रम से निम्नलिखित आधार पर निलंबित किया जा सकता है: क) ख) करने अथवा तदन्तर सेमेस्टर में पाठ्यक्रम को दोहराने का अवसर प्राप्त होगा। ग) अनुपस्थित रहता है। घ) ड) न से अस्थायी निकासी पंजीकरण के दौरान निम्नलिखित शर्तों को पूरा किया जाना

चाहिए: छाक को तीसरे वर्ष के पाDCM के लिए पंजीकरण करवाने से पहले अनिवार्य रूप से थम वर्ष के सभी पाDCM सामाज्यतः, कसी छमाही के दौरान पंजीकृत Cडिट क संम या निधा +रत Cडिट के 70% से कम और 125% से

सामाज्यतः कोई छाक अवर नातक काय Cम क सभी आवर यकताएं आठ लगातार सेमे टर1 मा पूरा करेगा। तथापि, संथान के कसी अवर नातक काय Cम मा वेश लेने वाले कसी छाक को लंबी बीमारी अथवा प+रवार मा गंभीर वह संथान को छमाही आरंभ होने के Z यून्तम 6 सV ताह के भीतर अथवा उस तारीख जबक उसने अंतिम बार क@ा

संथान इस बात से संतुष्ट हो क निकासी क अविध क गणना करते 2ए छाक उपरो त खंड 8 मा निखदF ट समय-संथान/छाकावास/पु तकालय मा कोई बकाया अथवा मांग क देनदारी न हो।खंड 9.1 के ावधान1 के अंतग त संथान से अथायी निकासी ाIV त करने वाले छाक को तब तक फस/भार (कूशन

कसी पाDCM को पूरा करने का अथ संबंधित पाDCM मा Z यून्तम 'पी' ठेणी ाIV त करना होता है। वे छाक िजZ ह1ने कसी पाDCM मा एफ ठेणी ाIV त कया हो, उZ हा फyमे+टव असेसमाट के मा< यम से पाDCM पूरा यद कोई छाक कसी छमाही मा अवकाश वीकृत करवाये बगैर 6 (छः) सV ताह से अधिक क अविध के लिए अनुशासनाL मक आधार पर कोई निणय िलया जाता है।वेश के समय गलत द तावेज देने अथवा गलत घोषणा देने का दोषी पाये जाने पर। छाक संबंधित पाDCM अनुदेशक और अकादिमक अनुभाग को सूचित करते 2ए कसी पाDCM को जोड़ अथवा

iii. ii.च)होगी। छ) 10.2क.को सूचना जारी क जानी अपि@त होगी।ख.ोबेशन पर रखे गए छाक को संकाय सलाहकार क सलाह के अनुसार कम Cडिट लेने ह1गे। छाक उस िथित मा शै@क ोबेशन से बाहर आ सकता है यद वह लगातार दो छमाही मा 5.00 अथवा उससे अधिक का सीजीपीए11. /ेणीकरण नीत11.1 णाली अपनाता है। पाDCM के सभी मू यांकन अंक1 के आधार पर कए जाएंगे। Z यून्तम उL तीण अंक औसत अंक/2 अथवा अधिकतम अंक/3 जो भी Z यून्तम हो, होगा। 11.2 संकाय सद य कोई अZ य ताखकक प्हाित जैसे क सामाज्य चीCत कव , जेड कोर इL याद को ठेणी का निणय लेने के लिए नहb अपना सकते ह_।11.3 ोजे

ट काय मा कम संम याके साथ इलै टक पाDCM1 मा उo चतम ठेणी दए जाने वाले छाक1 क संम या पर क@ा सिमित (सीसी) मा िवचार िवमश और अनुमोदन कया जाएगा। 11.4 11.5 जाएगा। 11.6 जाता है। शै@क वर्ष 2018-19 मा अथवा उसके पR चात (नई ठेणीकरण णाली) मा वेश लेने छाक1 के लिए लेटर ठेणी और संगत िनT नानुसार सीजीपीए ाIV त करने मा िवफल रहने पर: (i) 4.00 अथवा उससे नीचे के सीजीपीए को अगले छमाही मा वेश लेने क अनुमित नहb दी जाएगी। (ii) छाक को पाDCM के अंत मा 5.0 और उससे अधिक के सीजीपीए क Z यून्तम आवर यकता ाIV त करनी अपि@त काय Cम क अनुमL य अधिकतम अविध का अितCमण कया हो। छाक1/ अभिभावक1 के लिए अधिसूचनायद कसी छाक का कसी छमाही मा एसजीपीए 5.00 से कम अथवा उसके समान है तो छाक तथा उसके अभिभावक पहले छमाही के अंत मा 5.00 से कम एसजीपीए ाIV त करने वाले छाक को शै@क ोबेशन पर रखा जाएगा। शै@क

सामाज्य य \प से 'ओ' ठेणी क संम या पाDCM के लिए पंजीकृत छाक1 के 10 ितशत तक सीमित होती है। तथापि कसी पाDCM के लिए संकाय सद य -रा अपनायी गई ठेणीकरण अवसंरचना सीसी क जांच के अधीन होगी।ठेणीकरण से संबंधित कसी भी मामले का निणय सीनेट के अ< य@ के परामश से अ< य@ (अकादिमक) -रा िलया संथान संकाय सद य1 को Jेड1 किलए अंक1 क ठेणी का निणय लेने क लोचशीलता के साथ संगत ठेणीकरण

छाक के दश न के आधार पर L येक छाक को छमाही के अंत मा L येक पाDCM मा एक अंतिम लेटर ठेणी दया

| | | |
|--|--|--|
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |

8 7 6 5 0 इसके अित+र त एक पारगमन ठेणी 'आई' होगा। बी सी डी पी एफ अच् छा औसत से उपर औसत उL तीण अनुL तीण

11.7 कसी छाK -ारा कोई पाDCम सफलतापूर्वक पूरा किया जाना और Cिडट अजत किया 2आ तब माना जाता है यदि उसने उ

त पाDCम मा 'आई' अथवा 'एफ' के अतिर

त कोई लेटर ठेणी ाV त किया हो। कसी भी पाDCम मा लेटर एफ का अथ उ

त पाDCम मा अनुL तीण होगा। 11.8 पारगमन ठेणी 'आई' क. कसी पाDCम का कोई अ यापक कसी छाK को 'आई' ठेणी दान कर सकता है यदि छाK (i) बीमारी अथवा दुघटना जिसने उसे परी@ा मा भाग लेने से बाधित किया गया हो (ii) परी@ा के समय प+रवार मा कोई आपदा जिसमा संथान के विचार से छाK को कैT पस से जाना आवR यक था, के कारण अंतिम छमाही परी@ा मा अनुपि थत रहने पर मजबूर था। कोई छाK 'आई' ठेणी ाV त करने का पाK केवल तब होगा जबक उसक क@ा मा उपि थित और मूयांकन के अZ य घटक1 मा दश न पूरा और संतोषजनक रहा हो। ख. छाK1 -ारा ाV त सभी 'आई' ठेणी मेक-अप परी@ा के पR चात लेटर ठेणी मा प+रवतत कए जाएंगे। मेक-अप परी@ा अंतिम छमाही परी@ा के तुरंत बाद आयोजित क जा सकती है। 11.9 L येक छमाही के लिए एक छमाही ठेणी V वाट औसत (एसजीपीए) निनकाला जाएगा। एसजीपीए का आकलन निनT नानुसार किया जाएगा: एसजीपीए = (सी1*जी1 + सी2*जी2 + सी3*जी3 + ... जहां, एन छमाही के दौरान पंजीकृत पाDCम1 क संm या है, सीi कसी विशिष्ट पाDCम के लिए आबं+टत Cिडट क संm या है, और सी पाDCम के लिए दL त ठेणी से संगत ठेणी V वाट है। 11.10 L येक छमाही के अंत मा एक संचयी ठेणी V वाट औसत (सीजीपीए) निनकाला जाएगा और एसजीपीए तथा उ

तछमाही मा छाK -ारा ाV त कए गए ठेणी के साथ उसे सूचित किया जाएगा। सीजीपीए पहले छमाही से छमाही के अंत तक छाK का संचयी दश न दान करता है और इसका निनT नानुसार आकलन किया जाएगा: सीजीपीए = (सी1*जी1 + सी2*जी2 + सी3*जी3 + ... जबक एम उ

त छमाही तक पंजीकृत पाDCम1 क संm या है, सीi कसी विशिष्ट पाDCम के लिए आबं+टत Cिडट क संm या है, और सीi पाDCम के लिए दL त ठेणी से संगत ठेणी V वाट है। जब कोई छाK कसी पाDCम को दोहराता है अथवा उसे ित थिपत करता है, तो उ

त पाDCम मा उसके -ारा ाV त कए गए निनचले ठेणी को उस छमाही से आगे सीजीपीए के आकलन मा अनदेखी क जाती है। 11.11 एसजीपीए और सीजीपीए दोन1 को दशमलव के दूसरे थान तक राउंड ऑफ किया जाएगा और उस कार से दज किया जाएगा। जब इन सीजीपीए का योग छाK1 के कसी समूह क यो। यता मे+रट का निनधा +रत करने के उरे य से किया जाता है तो केवल राउंड कए गए मूय1 का ही उपयोग किया जाएगा। 11.12 जब कोई छाK कसी छमाही के दौरान कसी पाDCम के लिए 'आई' अथवा 'ड' यूः ाV त करता है तो उ

त छमाही के लिए एसजीपीए तथा उ

त छमाही के अंत मा सीजीपीए का 'आई' और 'ड' लयूः िडड पाDCम1 पर < यान न देते 2ए संभावित आकलन किया जाएगा। 'आई' और 'ड' यूः िडड को उपयु

त िडड1 मा प+रवतत करने के पR चात् उ

त छमाही के लिए एसजीपीए और सीजीपीए का पुनः आकलन प+रवतत िडड1 को < यान मा रखते 2ए अंतिम प से किया जाएगा। 11.13 तथिप, अवर नातक काय Cम1 के लिए ऐसी कुछ अZ य शि@क आवR यकताएं ह जहां छाK1 को निनT निलिखत दो ठेणी अथा त् 'पी'-उL तीण और 'एफ'-अनुL तीण दये जाएंगे। सभी वतंक अ ययन/गैर-Cिडट पाDCम1 से संबंधित अतिर

तोजे

ट इस ठेणी मा आते ह_। इन िडड1 से जुड़े कसी भी ठेणी V वाइंट और इन पाDCम1 मा दश न को एसजीपीए अथवा सीजीपीए के आकलन मा नहब लिया जाता है। तथिप, िडड1 दान किया जाना इन सभी पाDCम1 मा 'पी' ठेणी ाV त कये जाने के अधीन होता है। 12. पा+म3 को दोहराना 12.1 उ

त पाDCम मा अनुL तीण माना जाएगा। पाDCम मा उL तीण होने के लिए छाK के पास तीन विक् प ह1गाः कसी पाDCम (कसी इलि

टव अथवा योगशाला ि

टकल से अZ य) मा 8ेणी 'एफ' ाV त करने वाले छाK को

1.कया जा रहा हो। 2.कया जा रहा हो। 3. 12.2 कसी इलि

टव पाDCम मा 8ेणी 'एफ' ाIV त करने वाले छाK को तदंतर छमाही/वष मा नये पंजीकरण के ाप मा पाDCम को दोहराना पड़ सकता है यद उसे कसी पाDCम के िलए वह दान कया जाए अथवा पंजीकरण कया जाए िजसमा िधका+रय1 -रा अZ य इलि

टव पाDCम माना गया हो। 12.3 पंजीकरण करवाना होगा। 12.4 जब कोई छाK वयं को कसी पाDCम के िलए पंजीकृत करवाता है तो उसके 8ेणी का उ

त छमाही मा एसजीपीए का आकलन के िलए योग कया जाएगा। दोबारा कसी पाDCम को लेने वाले अथवा रचनाLमक आकलन देने वाले छाK पहली िस-टग मा ाIV त कए गए मूल 8ेणी क तुलना मा संशोधत 8ेणी ाIV त करागे। 12.5 1.

2.सूचित कया जाएगा। 3.पर चात् और दूसरे छमाही के अंत से पहले पाDCम पूरा करने के िलए उसे रचनाLमक आकलन के तहत पूरा करने का अवसर होगा। 12.6 1.अपि@त होगा: क.ख. 12.7थम वष के छाK के ाप मा पंजीकरण करवाते 2ए काय Cम को जारी रखने का अवसर होगा। 12.8रचनाLमक आकलन मा पाDCम को उL तीण नहब कर पाता है तो उसे उ

त पाDCम को दोहराना होगा। यद छाK उसे दोहराने मा अनुL तीण हो जाता है तो उसे एक रचनाLमक आकलन मा भाग लेने का पुन: अवसर दया जाएगा तथा पाDCम उL तीण होने तक यह चC दोहराया जाएगा। 12.9 अधिक नहब दोहरा सकता है।

12.10 रचनाLमक आकलन: यूजी1 पाDCम मूल पाDCम तथा छाK1 क मौलक समझ सिनिR चत करने के िलए िनधा +रत } लॉक होते ह_। तदंतर सेमे टर1 मा आगे बढ़ने से पहले छाK1 को इन पाDCम1 को उL तीण करना होता है। इसमा यूजी1/ यूजी2 छाK1 को तब तक मूल पाDCम1 का कड़ाई से Wान ाIV त करने मा स@म होने पर दया जाता है जब तक वे Wानऔर कौशल के अपि@त Z यूनतम तर को ाIV त न कर ले। तथाप हमारा अनुभव यह दशा ता है क िभZ न पृF ठभूमय1 से आने वाले थोड़े से ही छाK छमाही क अविध के भीतर उपरो

त आवR यकताS को पूरा करने मा क+ठनाई महसूस करते ह_। अत: ऐसे छाK1 के िलए िभZ न समय अविध दान करने का ताव है ताक उZ हा स@मता के अपि@त तरतक लाया जा सके। रचनाLमक आकलन सीएसई और ईसीई काय Cम1 मा कोर पाDCम1 क मूल समझ को मजबूत बनाने के िलए होता है। सभी कोर पाDCम1 के िलए तदंतर सेमे टर1 मा इस कार के रचनाLमक आकलन कए जाएंगे। इलि

टव पाDCम1 मा अ प दश न करने वाले छाK1 को तदंतर सेमे टर1 मा दूसरे इलि

टव लेने का िवक प दया जा सकता है। छाK कसी िनयिमत छमाही के िलए पंजीकरण करवाते 2ए पाDCम को दोहरा सकता है जब पाDCम दान छाK कसी छमाही अवकाश मा इसके िलए पंजीकरण करवाते 2ए पाDCम को दोहरा सकता है जब पाDCम दान छाK उ

त पाDCम मा रचनाLमक आकलन करवा सकता है, यद यह कोर पाDCम हो।

योगशाला/ै

टीकल पाDCम मा असफल होने के मामले मा छाK को अगले उपयु

त छमाही मा उसके िलए पुन:

पहले छमाही के अंत मा: सभी छाK सीजीपीए/एफ 8ेणी क संm या पर < यान न देते 2ए दूसरे छमाही के िलए पंजीकरण करवाने के पाK ह1गे।सीजीपीए≤ 4.0 वाले छाK को ोबेशन पर रखा जाएगा और छाK तथा उनके अभिभावक1, दोन1 को िलिखत मा पहले छमाही के कसी पाDCम मा एफ 8ेणी ाIV त करने वाले छाK के पास पहले छमाही के प+रणाम घोषत होने के पहले वष के अंत मा: काय Cम को जारी रखने और दूसरे वष मा ोZ नत कए जाने के िलए िनT निलिखत दो शत[को पूरा कया जाना छाK ने पहले वष के िलए िनधा +रत Cडिट का Z यूनतम 50 ितशत सफलतापूर्व क पूरा कया हो; और सीजीपीए ≥ 4.0 (रचनाLमक आकलन के मा< यम से ाIV त नए 8ेणी को शामिल करते 2ए) ह1।

चूंक काय Cम को पूरा करने क अधिकतम अविध छ: वष क है इसिलए कोई भी छाK पहले वष को दो बार से उपरो

त आवश् यकताS को पूरा नहब करने वाले छाK1 को दूसरे वष मा ोZ नत नहब कया जाएगा। उनके पास नए यद कोई छाK कसी पाDCम मा अनुL तीण होता है तो वह एक रचनाLमक आकलन ले सकता है और यद छाK

¹Hkxk Iμ[k.M 3(ii)° Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 217

12.10.1. तिवत रचनाLमक आकलन िनT नानुसार है: क.सकते ह_ और तदंतर छमाही के अंत से पहले उसे पूरा कर सकते ह_।ख.ग.आवर यक दशानिदnश ाIV त करागे।घ.परी@ाएं/असाइनमाट/ि

वज इल याद देने चाहए।ड.छाक को ठेणी दान करेगा।च.छ.गये उपि थित िनयम लागू ह।गे।ज.िनयिमत क@ास मा भाग लेना और तदंतर छमाही मा समूचा पाDCम दोहराना आवर यक होगा। झ.ज.अगले शै@क वष के आरंभ होने के चार सV ताह पहले पूरा करना अपि@त होगा। 13. 13.1 पूरे छमाही के दौरान छाक के दश न का िनरंतर मू यांकन कया जाएगा और संबंधित अ< यापक अथवा इस उर य के िलए िनयु

त समुचित सिमित -रा िनT निलिखत आधार पर ठेणी दान कए जाएंगे।क. पाDCम1 के मामले मा, I. e योरी पाDCम1 के िलए मू यांकन अनुदेशक1 के मू यांकन, ि

वज, िमड छमाही परी@ा और अंतिम छमाही परी@ा पर आधा+रत होगा, तथा II. योगशाला पाDCम1 के िलए मू यांकन उपि थित, सत्पे गए काय के मू यांकन तथा अंतिम छमाही परी@ा/मौखक परी@ा पर आधा+रत होगा। ख. ोजे ट काय के िलए मू यांकन पय वे@क -रा सत्पे गए काय, सिमनार, ोजे

ट +रपोट और ोजे

ट मू यांकन सिमित के मू यांकन पर आधा+रत होगा। ग. अZ य आवर यकताS जैसे क सिमनार, अित+र0 शै@णिक गितिविधय। इल याद के मामले मा मू यांकन ठेणी दान करने वाले िधिकारी -रा िनधा +रत कया जाएगा। घ. िमड छमाही और अंतिम छमाही परी@ा L येक छमाही के िलए सं थान के शै@क अनुभाग -रा कAाीय \प से संचालित क जाएगी। L येक e योरी पाDCम मा अनिवाय \प से दो िमड छमाही और एक अंतिम छमाही परी@ा होनी चाहए। इन परी@ास क अविध समय-समय पर सीनेट -रा यथा िनधा +रत होगी। क@ा-परी@ा अथवा ि

वज का आयोजन संबंधित अनुदेशक -रा कया जाएगा। ड.. मू यांकन के िविभZ न घटक1 के िलए दी गई भार क घोषणा छमाही के आरंभ मा संबंधित अनुदेशक1 -रा क जाएगी।च. िमड-छमाही परी@ा मा छाक के दश न के प+रणाम क घोषणा अनुदेशक1 -रा क जाएगी। मू यांकन1 मा संशोधन क अनुमित देने के िलए िनT निलिखत Cया का पालन कया जाएगा। एफ Jेड ाV त करने वाले छाक पहले छमाही केप+रणाम1 क घोषणा होने के तुरंत बाद रचनाLमक आकलन चुन छाक1 को अनुसूचित आधार पर संकाय से िमलना होगा और मू यांकन क Cया का पालन करना होगा।सामाZ यतः कोई िनयिमत क@ाएं नहब ह।गी परंतुछाक पाDCम पूरा करने के िलए कौशल को ाV त करने हेतु छाक को पाDCम के मूल घटक1 के अनुसार मू यांकन के िलए मू यांकन के अनुसूची के अनुसार संकाय मू यांकन क L येक मद के िलए अंक दान करेगा और सभी घटक1 को सफलतापूर्व क पूरा करने के अंत मा फोमn+टव असेसमाट मा दए जाने वाले अधिकतम उL तीण ठेणी केवल पी ठेणी ह।गे। िनयिमत पाDCम के िलए उपि थित रचनाLमक आकलन के उपि थित के अनुसार होगी और धारा 3.1 (ख) मा दये छाक केवल एक रचनाLमक आकलन ही ले सकता है। यद छाक रचनाLमक आकलन मा असफल हो जाता है तो उसे रचनाLमक आकलन क अविध प+रणाम क घोषणा क तारीख से और अगले छमाही के अंत से पहले तक होगी। ग छमाही मा अनुL तीण छाक1 को जीF म अवकाश के दौरान रचनाLमक आकलन मा भाग लेना चाहए और उसे दश

न का मू8 यांकन

I. छाक1 -ारा मौके पर जांच के िलए कसी एक s।mयाक@ा/योगशाला क@ा/टयूटो+रयल अथवा िवशेष सK के दौरान, जैसा क अनुदेशक -रा उपयु

त माना जाए, मू यांकन उL तर पांडिलिप उपल} ध करवाई जाएगी; II. छाक -ारा उL तर पांडिलिप क जांच के िलए अधिसूचित समय अनुसूची से Z यूनतम एक सपताह पहले वैयि

तक पाDCम अनुदेशक छाक1 क सूचना के िलए वेबसाइट के मा< यम से R नपK से संबंधित मॉडल उL तर द^शत कर सकता है; III. छाक मौके पर अनुदेशक -रा मू यांकन मा खामी यद कोई हो, का उ लेख करेगा; IV. उL तर पांडिलिप क मौके पर जांच पूरी होने के पर चात् छाक को अपनी उL तर पांडिलिप ले जाने क अनुमित दी जाएगी और उसके पर चात् कसी दावे को वीकार नहब कया जाएगा। छ. कसी पाDCम के िलए अंतिम ठेणी को संबंधित अनुदेशक -रा अंतिम छमाही क परी@ा के पर चात् शै@क कैले डर (अकादिमक अ मानेक) मा िनधा +रत ितिथ के भीतर शै@क अनुभाग को आगे तुत कए जाने के िलए अपने क@ा सिमित चेयर को तुत करना होगा। (क)कसी छाक को सामाZ यतः छठे और सातवA छमाही मा एक वष य बीटीपी ोजे

ट करना होता है। बीटीपी ोजे

ट के

(ख)तथापि, दूसरे चरण मा छाक को परीक्षा के +रपोट क असीमित ितयां तुत करना अपिमत होता है। मौखिक परीक्षा सफलतापूर्वक पूरी करने के पर चात् येक छाक को उसके सम दश न के िलए मू यांकन सिमित के सद य और पय वेक -रा ठेणी दए जाएंगे। (ग) +रपोट तुत करने क घोषित अंतिम तारीख से अधिकतम 10 सव ताह के िलए जीफ म अवकाश के िलए समय िव तार दया जा सकता है। ऐसे मामला मा संबंधित छाक को 'आई' ठेणी अ थायी प से दया जाएगा। इसके अित+र

त यद +रपोट अनुमल य समय अविध के भीतर तुत नह क जाती है तो 'आई' ठेणी वत: 'एफ' ठेणी मा प+रवतत हो जाएगा। क.पंजीकृत छाक को िनयमित बी.टेक के िलए सामाZ य Cडिट से 8 Cडिट अधिक लेने होते ह। ऑनस करने के िलए छाक को कसी िविशF ट संकाय सद य के अंतग त 2 वष क अविध (तीसरे और चौथे वष) के िलए कोई िविशF ट िवषय/के पर काय करना होता है। ऑनस काय Cम के िलए वेश पाकता िनT नानुसार है: 1. पहले दो वष मा Zयूनतम 8.0 का सीजीपीए 2. कसी िविशF ट अधीक के तहत काय करने के इ छुक छाक के िलए अधीक को भी उसके साथ काय करने हेतु सहमत होना चाहए। ख.ऑनस अधीक को बदलने क अनुमित दी जाती है। इसके अित+र

त यद छाक कसी छमाही के अंत मा ऑनस को छोड़ देता है, तो छठे और सातवA छमाही के अंत मा छाक को ोजे ट को उसका बीटीपी माना जाएगा। पांचवA छमाही मा कया गया ऑनस काय शूZ य माना जाएगा। लेटर /ेणी दान करने क प@ित 13.4 अनुदेशक अकादमक कैलाडर मा िनxदF ट तारीख तक लेटर ठेणी क एक ित शैक अनुभाग को तुत करेगा। 13.2

13.3

िलए दो छाक को टीम क अनुमित दी जाती है। ोजे

ट काय सामाZ यत: दो चरण मा होता है, L येक चरण एक छमाही मा होता है। पहले चरण के अंत मा छाक को आंत+रक ोजे

टमू यांकन सिमित -रा मू यांकन कए जाने के िलए िनधा +रत ितिथ तक अपने काय क ारंभिक +रपोट तुत करना अपिमत होता है। काय का दूसरा चरण अगले छमाही मा जारी रहता है। ोजे

ट काय के दूसरे चरण का मू यांकन उसी तरीके से कया जाता है जैसाक पहले चरण मा कया गया हो।

दो चरण ोजे

ट के दूसरे चरण मा अथवा एकल चरण के ोजे

ट मा अपया V त गित वाले छाक के िलए ोजे

ट

दूसरे वष के अंत मा छाक को बी.टेक ऑनस काय Cम मा वेश लेने का अवसर दया जाता है। बी.टेक ऑनस के िलए ऑनस काय

म:

ऑनस मा काय करने वाले छाक को पृथक बीटीपी करना आवर यक नह होता है। छाक को केवल एक बार अपनी प\$रयोजना(बीटीपी) ोजे= ट

¹Hkkx IIµ[k.M 3(ii)° Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 219

13.5 संबंधित अनुदेश -रा अंतिम-छमाही परीक्षा उल तर पांडिलिप और ठेणी मा प+रवतत कए जाने वाले अंक पक को एक छमाही क अविध के िलए रखा जाएगा। 13.6 पहले से दान कए गए ठेणी मा प+रवत न:यद कोई छाक यह समझता है क उसे कसी पाDCम मा अपिमत ठेणी नह दया गया है तो वह यह सिनिर चत करने के िलए क सभी R न1 का सही से मू यांकन कया गया है, अगला छमाही आरंभ होने के एक सव ताह के भीतर अनुदेशक को अंतिम छमाही क उल तर पांडिलिप दखाने का अनुरोध कर सकता है। ठेणी मा कसी प+रवत न के मामले मा अनुदेशक -रा पूण औचल य के साथ इसक सूचना काय Cम समZ वयक के मा< यम से आकदिमक समZ वयक को दी जाएगी। 14. परीएं 14.1 कसी छाक को िनT निलखत कारण1 से अंतिम छमाही परीक्षा मा भाग लेने से वंचित कया जा सकता है: क. ख. कसी अ< यापक क िसफा+रश पर, यद छमाही के दौरान ले

चर/टयूटो+रयल/ ट्रिडयो/ि

टकल क@ाS उसक उपि थित िनधा +रत से कम हो। 15. मेक-अप परीएं 15.1 वे छाक िजZ ह1ने वै कारण से अंतिम

छमाही परीक्षा का भाग नहीं लिया हो और जिसका “आई” श्रेणी दान किया गया हो, वे मेक-अप परीक्षा के पात्र होते हैं, जिसे अंतिम छमाही परीक्षा के कुछ दिन पर चात आयोजित किया जा सकता है। वैकि पक्ष से पाठ्यक्रम के लिए मेक-अप परीक्षा का उपयोग मेक-अप परीक्षा के लिए किया जा सकता है। 15.2 मिड-छमाही परीक्षा और विज के लिए कोई मेक-अप परीक्षा निम्नलिखित नहीं कर जाएगी। उपयुक्त साधन से छात्र का मूल्यांकन करने के लिए मेदारी पूर्ण त अनुदेशक कहोगी क

या वह मामले के सत्यता से संतुष्ट है। 16.1 यदि छात्र ने अपने देनदारियों का भुगतान नहीं किया हो अथवा उसके विषय कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई लंबित हो, तो श्रेणी को रोक लिया जाएगा। 17.1 कोई छात्र काय समय को छोड़ सकता है, यदवह बी.टेक डिग्री काय समय के निम्नलिखित समय अवधि के भीतर 5.0 अथवा उससे उपर के न्यूनतम सीजीपीए के आवरकता को पूरा न कर पाए। 17.2 कोई छात्र 5, 6, 7 और 8 छमाही के दौरान किसी भी समय ऑनस काय समय को छोड़ सकता है और 6 और 7 छमाही के दौरान कए गए काय कोपूरवत कर सकता है तथा इसका बीटीपी शे

ट के पक्ष में लिया जाएगा। 18.1 के. एल. येक पाठ्यक्रम (के. यो. ए. ट. कल, योगशाला, टिडयो, काय शाला, सके इ. ल. याद), सेमीनार, शे

ट आद में श्रेणी “पी” अथवा उससे उपर के श्रेणी के साथ डिग्री के सभी क्रेडिट आवरकताओं को पूरा किया हो; ख. बी.टेक. और बी.टेक ऑनस डिग्री के लिए आवरकता कुल न्यूनतम क्रेडिट पूरे कए ह। 16. श्रेणी रोकना

17. काय

में छोड़ने का मानदंड

18. बी.टेक डिग्री दान कए जाने के पाठ्यक्रम

यद उसके विषय कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई क गई हो।

कोई छात्र बी.टेक डिग्री दान कए जाने का पात्र तब होगा यदि उसके पास निम्नलिखित ह:

ग. डिग्री के लिए सभी गैर-क्रेडिट आवरकताओं जैसे के शिक्षण तर काय कलाप, औगक शिक्षण इ. ल. याद (यद कोई हो) को संतोषजनक रूप से पूरा किया हो; घ. सं. थान, छात्रावास, एनएसएस इ. ल. याद के लिए कोई रिश देय न हो ड. उसके विषय कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई लंबित न हो। 18.2 बी.टेक डिग्री दान कए जाने के सं. थान के सीनेट -रा सिफारश के जानी चाहिए और शासी मंडल -रा इसका अनुमोदन किया जाना चाहिए।

S.O. 3819(E).—In exercise of the powers conferred by section 33 read with section 34 (1) (2) and (3) of the

Indian Institutes of Information Technology (Public-private Partnership) Act, 2017 (23 of 2017), the Senate New Delhi, the 23rd October, 2019 सुखबीर सह संधू, अपर सिचव (त. शि.) [फा. सं. 52-2/2017-टीएस. I]

with the approval of the Board of Governors, make the following Ordinances of Indian Institute of

Information Technology, Sricity Chittoor.

B.Tech. Programme Ordinances

(For the batch admitted in the academic year 2018-191)

1. Academic Calendar 221

2. Admission 221

3. Attendance 222

4. Conduct and Discipline 223

5. Change of Programme 223

6. Course Structure 223

7. Registration 224

8. Duration of the Programme 224
9. Temporary Withdrawal from the Institute 225
10. Academic Probation and Termination 225
11. Grading Policy 225
12. Repetition of Courses 227
13. Assessment of Performance 229
14. Examinations 230

1 For the batches admitted on or before 2017 - 18, the academic regulations laid there on were followed.

1Hkkx IIµ[k.M 3(ii)° Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 221

15. Make-up Examinations 230
16. Withholding of Grades 231
17. Exit Criterion 231
18. Eligibility for the Award of B.Tech Degree 231

B.Tech Programme Ordinances

(For the batch admitted in the academic year 2018-192)

5. All Bachelor of Technology (B.Tech) programmes offered by the Institute shall be governed by these B.Tech Ordinances.
6. Under these Ordinances any new discipline(s)/programmes may be introduced in future.
7. A student becomes eligible for the award of the B.Tech degree after fulfilling all the academic requirements as prescribed by these Ordinances.
8. The Institute shall have the following B.Tech Programmes:
 - a. Computer Science and Engineering (CSE) : (4 years / 8 semesters)
 - b. Electronics and Communication Engineering (ECE) : (4 years / 8 semesters)

1. ACADEMIC CALENDAR

- 1.1 Each academic session is divided into two semesters of approximately seventeen weeks duration (with at-least eighty working days of classes in each semester): a Monsoon semester and a Spring semester.
- 1.2 In addition, there may be a summer break between Spring and Monsoon semesters.
- 1.3 The Senate approved schedule of academic activities for a session, inclusive of dates for registration, mid- semester and end-semester examinations, inter-semester breaks, and any other activities, shall be laid down in the Academic Calendar (Academic Almanac) for the session.

2. ADMISSION

- 2.1 The number of seats in each branch of the undergraduate programmes for which admission is to be

made in the IIIT Sri City, Chittoor will be decided by the Senate of IIIT Sri City, Chittoor. Seats are reserved for candidates belonging to Other Backward Classes, Scheduled Castes, Scheduled Tribes, Physically Challenged candidates and Economically Backward Classes as per the decisions of Government of India from time to time.

2.2 Admission to the B.Tech programme in any year will be based as per orders from the Government of India. Currently admissions are based on performance in the Joint Entrance Examination (JEE) Main and HSC examinations as per Central Board of Secondary Education (CBSE) guidelines through a counseling conducted by the CSAB for the respective year.

2.3 Every student, admitted provisionally or otherwise to any programme of the Institute, shall submit copies of the qualifying degree/provisional certificate and such other documents as prescribed by the Senate. These documents must be submitted before the prescribed date. The admission, provisional or otherwise, of any student who either does not submit the required documents by the stipulated date or fails to meet any other stipulated requirement for admission can be cancelled by the Senate.

2.4 The admission of any student may also be cancelled by the Senate, at any later time, if it is found that the student had supplied some false information or suppressed some relevant information while seeking admission.

2 For the batches admitted on or before 2017 - 18, the academic regulations laid there on were followed.

2.5 The Institute reserves the right to cancel the admission of any student and ask him/her to discontinue his/ her studies at any stage of his/her career on the grounds of unsatisfactory academic performance or on disciplinary grounds.

3. ATTENDANCE

3.1 (a) Students are required to attend all the classes (Lectures, Tutorials, Laboratories, Practical, Workshops, etc) for which they have been registered.

(b) Students will have to attend all classes. However, to accommodate for any unforeseen events like minor health problems or so, a student can absent in any course, for a maximum of 15% of classes. Beyond this 15% margin, absence of a student is penalized as follows. Let the attendance of a student in a course be ATT%.

| ATT $\geq$ 85% | | 70% $\leq$ ATT* < 85% | |
|----------------|---------------|-----------------------|---------------|
| Grade earned | Grade Awarded | Grade earned | Grade Awarded |
| O | O | O | A |
| A | A | A | B |
| B | B | B | C |

| | | | |
|---|---|---|---|
| C | C | C | D |
| D | D | D | P |
| P | P | P | P |
| F | F | F | F |

• *Due to medical reasons, if a student falls in the range of 70% - 85% of attendance, he/she may be exempted from downgrading after submission of supporting medical documents as per the institute norms. Even after claiming the attendance under medical reasons, if any student still has below 85% of attendance will have one grade reduction as mentioned above. A student whose attendance is less than 70% in a course is given F grade.

(*Applicable for students admitted in 2019-20)

The attendance rule can be relaxed for a student's absence for a genuine and proven reasons like medical reason, on a case by case basis. This discretion power lies with the Director of the Institute.

LEAVE OF ABSENCE

3.2 The following leave of absence may fall in any of the following clauses:

- Students are not expected to be away from the Institute during a semester.
- Students may be granted permission to leave for occasions like death in the immediate family circle.
- Any student who is absent for 3 or more days consecutively has to submit the leave letter along with the supporting documents, if any, attested by his / her parents.
- Absence due to illness not exceeding three weeks will be allowed after taking due permission. Due to emergencies, such permission may be taken later, and by the guardian if necessary.
- If the period of absence in a semester exceeds 18 working days, the student will have to drop the semester by dropping all courses he /she has registered for. The Senate may allow longer absences only in special circumstances and only after ascertaining the student's ability to make up for the lost time.
- Students who failed in semester 1 and 2 subjects may opt for formative assessment for any number of failed subjects, provided he / she will be eligible to obtain a maximum of "P" in such subjects. If these

¹Hkkx IIμ[k.M 3(ii)^o Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 223

students are willing attend regular courses of each of these subjects, then they must appear in the subsequent semester. In such cases, students cannot take courses in subsequent semesters that require the passing of the current semester courses as pre-requisite.

(g) At the end of the 1st year, students should earn a minimum of 50% of credits with CGPA not below 4.0, in order to be promoted to 2nd year

(h) Exceptional students are permitted to avail one semester break or more to do internship or research activity in Industry or Universities abroad, as long as it is within the maximum duration of the programme, with the prior approval of the Dean (Academics) / the Director.

(i) The leave of absence as per Clauses 3.2 (a) to 3.2 (d) will not be condoned for attendance.

3.3 It will be the responsibility of the student to intimate the Warden of the hostel in which he/she is residing, and the concerned instructors regarding his/her absence before proceeding on leave.

4. CONDUCT AND DISCIPLINE

4.1 Students shall conduct themselves within and outside the precincts of the Institute in a manner befitting the students of an Institution of National Importance.

4.2 There are two committees for handling disciplinary activities of students, viz., academic disciplinary committee and hostel disciplinary committee. Academic disciplinary committee handles indiscipline cases of academic misconduct relating to students. Hostel disciplinary committee handles all non-academic indiscipline cases relating to students.

5. CHANGE OF PROGRAMME

5.1 Normally a student admitted to a particular undergraduate degree programme will continue studying in that programme till completion.

5.2 However, in special cases the Institute may permit a student admitted through Central Seat Allocation Board (CSAB) to change from one branch of studies to another after the first two semesters. Such changes will be permitted, in accordance with the provisions laid down hereinafter.

5.3 Only those students will be considered eligible for change of branch / programme after the second semester, who have completed and passed all the common credits required in the first two semesters of their studies in their first attempt.

5.4 Applications for a change of branch/programme must be made by intending eligible students in the prescribed form. The academic section will call for applications at the end of second semester of each academic year and the completed forms must be submitted by the last date specified in the notification.

5.5 Students may enlist their choices of branch/programme, in order of preference, to which they wish to change over. It will not be permissible to alter the choices after the application has been submitted.

5.6 Change of branch/programme shall be made strictly in order of merit of the applicants. For this purpose the CGPA obtained at the end of the second semester shall be considered. In case of a tie, the JEE rank of the applicants will be considered.

5.7 The applicants may be allowed a change in branch/programme, strictly in order of merit of the applicants, subject to the limitation that the strength of a branch should not fall below the existing strength by more than ten percent and should not go above the sanctioned strength by more than ten percent.

5.8 All changes of branch/programme made in accordance with the above rules will be effective from the third semester of the applicants concerned. No change of branch/programme shall be permitted after this.

5.9 All changes of branch/programme will be final and binding on the applicants. No student will be permitted, under any circumstances, to refuse the change of branch/programme offered.

6. COURSE STRUCTURE

6.1 Teaching of the courses shall be reckoned in credits; Credits are assigned to the courses based on the following general pattern:

i. One credit for each lecture period

ii. One credit for every two tutorial periods

iii. One credit per every three periods for each Laboratory or Practical session

6.2 In order to qualify for a B. Tech. degree of the Institute, a student is required to complete the credit requirement as prescribed in the curriculum for a particular programme

6.3 The course work requirements may be broadly divided into following four main groups of courses:

i. Common Engineering courses

ii. Specialized Engineering courses

iii. Humanities, Mathematics and Science

6.4 The total course package for a programme will consist of the following components:

ii. Common Engineering courses

iii. Programme Core courses

iiii. Programme Elective courses

iiv. Institutional Elective courses (including HMS electives)

6.5 Every B. Tech. Programme will have a curriculum and syllabi for the courses approved by the Senate.

6.6 Medium of instruction, examination and project reports will be in English.

6.7 Faculty Advisor: To help the students in planning their courses of study and getting general advice on the academic programme, the Dean (Academics)/ the Director will assign a Faculty Advisor to students for each semester.

6.8 There are semester-wise class committee chairs to coordinate the academic activities of that specific year.

7 REGISTRATION

7.1 Every student is required to register for approved courses through the assigned Faculty Advisor at the commencement of each semester on the day fixed for such registration and notified in the Academic Calendar (Academic Almanac). The registration of one or more courses may be cancelled if they are found to violate some rules or if there are restrictions imposed due to disciplinary reasons.

7.2 Students failing to register by the deadline will have deemed to have withdrawn for the semester from the programme and the future course of action will be based on the student's status and the provisions of these Ordinances.

7.3 Only those students will be permitted to register who have

a. Cleared all Institute, Hostel and Library dues and fines (if any) of the previous semesters,

b. paid all required advance payments of Institute and Hostel dues for the current semester, and

c. not been debarred from registering on any specific ground.

7.4 During registration following conditions must be fulfilled:

- a. A student must pass all first year courses before registering for the third year courses.
- b. Normally, the number of credits registered for during a semester should not be less than 70% of the prescribed credits and should not exceed 125%.

7.5 Students may add and drop course(s) under intimation to the concerned course instructors and the academic section provided this is done within the date mentioned in the Academic Calendar (Academic Almanac) and as per the conditions given in clause 7.3 above.

8 DURATION OF THE PROGRAMME

8.1 Normally a student shall complete all the requirements for the undergraduate programme in eight consecutive semesters. However a student must complete the programme in at most 12 regular semesters in each of which the student registers for at least one course, the total time elapsed must not exceed 6 years. If either of these limits is crossed, the student's studentship in the programme will be terminated.

¹Hkkx Ιμ[k.M 3(ii)^o Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 225

9 TEMPORARY WITHDRAWAL FROM THE INSTITUTE

9.1 A student who has been admitted to an undergraduate programme of the Institute may be permitted to withdraw temporarily from the Institute on the grounds of prolonged illness or grave calamity in the family for a period of one semester or more, provided:

- a. He/she applies to the Institute within at least 6 weeks of the commencement of the semester or from the date he last attended his/her classes whichever is later, stating fully the reasons for such withdrawal together with supporting documents and endorsement of his/her guardian;
- b. The Institute is satisfied that, counting the period of withdrawal, the student is likely to complete his/her requirements of the B. Tech. Degree within the time limits specified in Clause 8 above;
- c. There are no outstanding dues or demands in the Institute/ Hostel /Library.

9.2 A student who has been granted temporary withdrawal from the Institute under the provisions of Clause 9.1 will be required to pay fees/charges (except tuition fees and hostel dues) till such time as his/her name is on the Roll List. However, fees once paid will not be refunded.

9.3 Normally, a student will be permitted only two such temporary withdrawals during his/her tenure as a student of the undergraduate programme.

10 ACADEMIC PROBATION AND TERMINATION

10.1 A studentship in a programme may be terminated on the following grounds:

- (a) Completion of a course implies that a student obtains a minimum of 'P' grade in the respective course.
- (b) Students who have obtained F grade in any core course(s) have the opportunity to complete the course(s) through formative assessment or redo the courses in the subsequent semesters.
- (c) If a student is absent for more than 6 (six) weeks in a semester without sanctioned leave.
- (d) A decision is taken on disciplinary grounds.

(e) On having been found to have been produced false documents or having made false declaration at the time of seeking admission.

(f) Failure to attain a CGPA as follows:

ii. CGPA of 4.00 and below will not be allowed to enroll in next semester

iii. The student has to attain the minimum graduating requirement of CGPA 5.0 and above at the end of the course

(g) The maximum permissible duration of the programme has been exceeded.

10.2 Notifications to Students / Parents

a. Intimation is to be issued to a student and his/her parent if he /she gets a SGPA of less than 5.00 in any semester.

b. A student getting an SGPA of less than 5.0 at the end of the first semester will be placed on academic probation. A student on academic probation will have to take less number of credits as per the advice of the faculty advisor. A student will come out of academic probation on getting a **CGPA of 5.00** or more in two consecutive semesters.

11 GRADING POLICY

11.1 The institute follows relative grading system with flexibility given to the faculty members to decide the mark ranges for the grades. All assessment of the course will be done on the basis of the marks. The passing minimum marks shall be the average marks/2 OR the maximum marks/3, whichever is minimum.

11.2 Faculty members can adopt any of the logical methods such as normalized curve, z-score, etc. to decide the grades.

11.3 In general, the number of 'O' grade is restricted to the maximum of 10% of the registered students for the course. However in project work, elective courses with relatively less number of students, the number of students to be given the highest grade will be discussed and approved by the class committee (CC).

11.4. The grading structure adopted by the faculty member for a given course is subject to the scrutiny of the CC.

11.5 Any issues related to grading will be decided by the Dean (Academics) in consultation with the Chairman of the senate.

11.6 Based on the performance of a student, each student is awarded a final letter grade in each course at the end of the semester.

The letter grades and the corresponding grade points for students admitted on or after the academic year 2018-19 (new grading system) are given in the following table:

| Points | Grading Scale (from 2018 - 19) | |
|--------|--------------------------------|-------------|
| | Grade | Description |
| 10 | O | Excellent |
| 9 | A | Very good |
| 8 | B | Good |

| | | |
|---|---|---------------|
| 7 | C | Above Average |
| 6 | D | Average |
| 5 | P | Pass |
| 0 | F | Fail |

In addition, there shall be a transitional grade 'I'.

11.7 A student is considered to have completed a course successfully and earned the credits if he/she secures a letter grade other than 'I' or 'F' in that course. A letter grade F in any course implies a failure in that course.

11.8 The Transitional Grade 'I'

a. The instructor of a course may award the grade 'I' to a student if the latter was compelled to absent himself from the end semester examination on account of: (i) Illness or accident which disabled him from appearing at the examination. (ii) A calamity in the family at the time of the examination, which, in the opinion of the Institute, required the student to be away from the campus. A student will be eligible for the award of grade 'I' only if his/her attendance at classes and performance in other components of assessment are complete and satisfactory.

b. All 'I' grades obtained by students will be converted to a letter grade after a make-up examination. There may be a make-up examination shortly after the end semester examinations for the course.

11.9 A Semester Grade Point Average (SGPA) will be computed for each semester. The SGPA will be calculated as follows:

$$SGPA = (C_1 * G_1 + C_2 * G_2 + C_3 * G_3 + \dots + C_n * G_n) / (C_1 + C_2 + C_3 + \dots + C_n)$$

where, n is the number of courses registered during the semester, C_i is the number of credits allotted to a particular course, and

G_i is the grade points corresponding to the grade awarded for the course.

11.10 A Cumulative Grade Point Average (CGPA) will be computed at the end of each semester and communicated to the students along with the SGPA and the grades obtained by them for that semester. The CGPA gives the cumulative performance of the student from the first semester up to the end of the semester to which it refers, and will be calculated as follows:

$$CGPA = (C_1 * G_1 + C_2 * G_2 + C_3 * G_3 + \dots + C_m * G_m) / (C_1 + C_2 + C_3 + \dots + C_m)$$

where, m is the number of courses registered up to that semester, C_i is the number of credits allotted to a particular course, and

G_i is the grade points corresponding to the grade awarded for the course.

Whenever a student repeats or substitutes a course in any semester, the lower grade(s) obtained by him/her in the course is to be ignored in the computation of CGPA from that semester onwards.

11.11 Both SGPA and CGPA will be rounded off to the second place of decimal and recorded as such. Whenever these CGPA are to be used for the purpose of determining the merit ranking of a group of students, only the rounded off values will be used.

11.12 When a student gets the grade 'I' for any course during a semester, the SGPA for that semester and the CGPA at the end of that semester will be tentatively calculated ignoring 'I' graded course(s). After conversion of 'I' grade(s) to appropriate grade(s), the SGPA and CGPA for that semester will finally be recalculated after taking the converted grade(s) into account.

11.13 There are, however, a few other academic requirements for undergraduate programmes where student will be awarded following two grades viz., 'P' - Passed and 'F' - Failed. All independent study/additional projects belong to non-credit courses in this category. No grade points are associated with these grades and performance in these courses is not taken into account in the calculation of the SGPA or CGPA. However, the award of the degree is subject to obtaining a 'P' grade in all such courses.

12.REPETITION OF COURSES

12.1 Students obtaining the grade 'F' in any course (other than an elective and lab practical) will be deemed to have failed in that course. To pass in the course, the student will have three options:

1. The student can repeat the course by registering for it in a regular semester when the course is offered.
2. The student can repeat the course by registering for it in a summer semester break if it is offered.
3. The student can take up formative assessment in that course, if it is a core course.

12.2 Students obtaining the grade 'F' in an elective course may have to repeat the course as fresh registration in the subsequent semester/year if it is offered, or register for any course that is deemed by the authorities to be another elective course.

12.3 In case of failure in Laboratory/Practical course the student will have to re-register for it in the next appropriate semester.

12.4 When a student registers for a course, his/ her grade will be used for SGPA calculation in that semester. A student taking a course again or giving a formative assessment will get a revised grade in comparison with the original grade obtained in the first sitting.

12.5 At the end of the first semester:

4. All students are eligible to register for 2nd semester, irrespective of CGPA/no. of F grades.
5. A student with $CGPA \leq 4.0$ is put on probation and both the student and their parents are informed in writing.
6. Students with F Grades in any course in the 1st semester will have an opportunity to complete it under formative assessment after announcement of 1st semester results and before the end of the 2nd semester in order to complete the course(s).

12.6 At the end of the first year:

(1) In order to continue the programme and to be promoted to 2nd year, the following two conditions should be met:

- (a) A student should have successfully completed minimum of 50% of the prescribed credits for the 1st year; and
- (b) Students should have a $CGPA \geq 4.0$ (inclusive of new grades obtained through formative assessment).

12.7 Students not meeting the above two requirements are not promoted to 2nd year. They have an opportunity to continue the programme in the subsequent academic year by registering as a repeating 1st year student.

12.8 One formative assessment can be taken after a student fails in a course and if the student fails to clear the course in formative assessment, he / she will have to repeat the course. If the student fails the course on repeating it,

he /she will again be given a chance to appear in one formative assessment and the cycle will repeat till the student passes the course.

12.9 As the maximum duration for the completion of the programme is six years, a student cannot repeat first year more than twice.

12.10 Formative Assessment:

UG1 courses are basic courses and building blocks to ensure the fundamental understanding of the students. These courses have to be cleared by the students to proceed to subsequent semesters. The focus is to train UG1 / UG2 students to be competent enough by learning the fundamental courses rigorously until they attain the required minimum level of knowledge and skills. However, our experience shows that a sizable number of students who are coming from different backgrounds find it very difficult to meet the above requirements within the duration of a semester. Hence it is proposed to provide a variable time period to such students to bring them to the required level of competency. Formative assessment is to strengthen the fundamental understanding of the core courses in CSE and ECE programs. Similar formative assessment would be done in subsequent semesters for all core courses. In elective courses, underperforming students may have options to take other electives in subsequent semesters. In the case of final semester of the programme, a student may opt for formative assessment of the courses in which he/she failed in that course in order to complete the programme in that academic year.

12.10.1 The proposed formative assessment is as follows:

- a. Students who have obtained F grade(s) may opt for formative assessment immediately after announcement of 1st semester results & complete before end of subsequent semester.
 - b. Students have to meet the faculty on a scheduled basis and should follow the assessment process.
 - c. Generally, there will be no regular classes, but students will receive the necessary guidance to attain the skills to complete the course.
 - d. Student should give the exams/assignments/quizzes etc. as per the evaluation schedule for assessment as per the original components of the course.
 - e. Faculty would award marks for each of the evaluation items and would give a grade to the student at the end of completion of all the components successfully.
 - f. The maximum passing grade to be given in formative assessment would be P grade only.
 - g. The attendance of the regular course is taken as it is for the formative assessment and attendance rules given in section 3.1 (b) will be applicable.
 - h. A student can take only one formative assessment. If the student fails in the formative assessment, then he/she has to attend regular classes and repeat the entire course in subsequent semester.
- ¹Hkkx Iμ[k.M 3(ii)^o Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 229
- i. Length of the Formative assessment is from the date of announcement of results and before the end of next semester.
 - j. Students failing in Spring semesters, should take the formative assessment during the summer break and the same must be completed before four weeks from the start of the next academic year.

12ASSESSMENT OF PERFORMANCE

13.1 There will be continuous assessment of a student's performance throughout the semester and grades will be awarded by the teacher concerned or the appropriate committee appointed for this purpose on the following basis.

a. In case of courses,

I. For theory courses, the evaluation will be based on instructors assessment, quizzes, mid semester examination and end semester examination, and

II. For laboratory courses, the evaluation will be on the basis of attendance, assessment of the tasks assigned and end semester test/viva.

b. The evaluation of the project work will be based on sessional work assigned by the supervisor, seminar, project report and project evaluation committees' assessment.

c. In case of other requirements such as seminar, extra academic activities etc., evaluation will be as determined by the grade awarding authority.

d. The mid-semester and end-semester examination will be conducted centrally by the Academic Section of the Institute every semester. Every theory course must have two mid-semesters and one end-semester examination. The durations of the examinations will be as laid down by the Senate from time to time. The class-tests or quizzes will be organized by the instructor concerned.

e. The weightage assigned to different components of assessment will be announced by the concerned instructor(s) in the beginning of the semester.

f. The results of performance of the students in the mid-semester examination shall be announced by the instructors. The following process will be followed to allow corrections in evaluations:

I. For spot verification by students, the evaluated answer scripts shall be made available during one of the lecture classes/lab classes/tutorials or during a special session, as may deemed fit by the instructor;

II. At least a week ahead of the notified time-schedule for verification of answer scripts by the students, individual course instructor(s) may display the model answers relating to the question paper, through website for information to the students;

III. Students shall point out discrepancies in the evaluation by the instructor, if any, on the spot

IV. After conclusion of the spot verification of answer scripts, the students shall be allowed to carry their answer scripts; and no claim whatsoever shall be entertained afterwards.

g. The final grades for a course must be submitted after the end-semester examination by the concerned instructor(s) to their Class Committee Chair for onward transmission to Academic Section within the date stipulated in the academic calendar (academic almanac).

13.2 Bachelor Thesis Projects (BTP) :

(a) A student is required to do one year BTP project, normally in 6th and 7th semesters. A team of two students will be allowed to do a BTP project. The project work is normally in two stages, each spread over a semester. At the end of the first stage, the student is required to submit a preliminary report of his/her work by a prescribed date to be evaluated by an Internal Project Evaluation Committee. The second stage of the work is continued in the following semester.

(b) The second stage of project work is also evaluated in the same manner as in the first stage. However, in the second stage the students are required to submit unbounded copies of the report for examination.

On successful completion of the oral examination, the grade will be given to each student by both evaluation committee members and the supervisor for his/her overall performance.

(c) For students having insufficient progress either in the second stage of a two stage project or in a single stage project, extension of time in the summer vacation not exceeding ten weeks from the announced last date for submission of the project report may be granted. In such cases, the concerned students will be temporarily awarded an 'I' grade. Further, if the reports are not submitted within the allowed period of time, the 'I' grade will be automatically converted to an 'F' grade.

13.3 Honors Programme:

(a) A student at the end of 2nd year is given an opportunity to get into B.Tech Honors programme. A student registered for B.Tech Honors has to take additional 8 credits over and above the normal credits for regular B.Tech. Degree. In order to do Honors, the student must work on a particular topic / area for a period of 2 years (3rd and 4th year) under a particular faculty/faculties. The entry criteria for Honors programme are:

(1) A minimum CGPA of 8.0 in 1st two years.

(2) The student must be willing to work with a particular supervisor(s) who should agree to work with the student as well.

(b) A student working on his Honors does not do separate BTP. A student is allowed to change his/her Honors supervisor only once. Moreover, if the student drops from Honors at the end of any semester, the student's project in the 6th and 7th Sem. would be considered as his/her BTP. The honors work done in the 5th Semester will be nullified.

METHOD OF AWARDING LETTER GRADES

13.4 The instructor(s) shall submit a copy of letter grades to the Academic section, by the due date specified in the Academic Calendar.

13.5 End-semester examination answer scripts and the sheet containing details of marks converted to grades shall be preserved by the instructor(s) concerned for a period of one semester.

13.6 Changes in Grades Already Awarded: If a student feels that he/she has not been awarded a deserving grade in a course, he/she may request the instructor of the course within one week of the start of the next semester, to show him/her the end-semester answer script in order to ensure that all the questions have been evaluated properly. In case of any change in grade, the same with due justification has to be communicated by the Instructor to the Dean (Academic) through the Programme Coordinator.

(c) EXAMINATIONS

14.1 A student may be debarred from appearing in the end semester examination due to the following reasons:

a. If any disciplinary action is taken against him/her.

b. On recommendation of a teacher, if his/her attendance in the Lecture/Tutorial/ Practical classes has less than the prescribed minimum during the semester.

(d) MAKE-UP EXAMINATIONS

15.1 Students who have missed an end-semester examination on valid reasons and have been awarded "I" grade are eligible for a make-up examination which may be held a few days after the end semester examinations. Alternatively, make-up examination for the course can be used a make-up examination.

1Hkkx IIµ[k.M 3(ii)° Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 231

15.2 No make-up examination will be scheduled for the mid-semester examination and quizzes. It is entirely up to the instructor to ascertain the proficiency of the student by whatever means considered appropriate to him/her if he/she is satisfied of the bonafides of the case.

16.WITHHOLDING OF GRADES

16.1 Grades shall be withheld when the student has not paid his/her dues or when there is a disciplinary action pending against him/her.

17.EXIT CRITERION

17.1 A student may quit the program, if he / she fails to complete the minimum CGPA requirements of 5.0 and above within the stipulated period of time of the B.Tech Degree Programme.

17.2 A student may quit honors programme at any point of time during semester 5, 6, 7 and 8 and convert his work done during semesters 6 and 7 would be considered as BTP project.

18.ELIGIBILITY FOR THE AWARD OF B. TECH. DEGREE

18.1 A student shall be declared to be eligible for the award of B. Tech. degree if he/she has:

- a. Completed all the credit requirements for the degree with a grade "P" or higher grade in each of the courses (Theoretical, Laboratory, Workshop, Sessional etc.), Seminar, Project etc.
- b. Completed the minimum required total credits for B.Tech and B.Tech degree with Honors.
- c. Satisfactorily completed all the non-credit requirements for the degree viz Extra Academic Activities, Industrial Training, etc. (if any).
- d. No dues to the Institute, Hostels, NSS etc.
- e. No disciplinary action is pending against him/her.

18.2 The award of B. Tech. degree must be recommended by the Senate and approved by the Board of Governors of the Institute.

[F. No. 52-2/2017–TS.I]

SUKHBIR SINGH SANDHU, Addl. Secy. (TE)